जी. एच. एस. एस. करिंपा

इकाई परीक्षा अगस्त - 2017

कक्षा - आठवीं समय 40 मिनुट अंक 20

निम्नलिखित अंश पढकर उसके नीचे दिए प्रश्नों के उत्तर लिखें-

" मैं बहूत चतुर नहीं हूँ। बहूत सी ऍसी चीज़ें है जिनके बारे में मैं नहीं जानता। मैं हर चीज़ को सीखना चाहता हूँ। कल से मेरी पढाई शुरु हो, इसका इंतज़ाम करो।"

1. यह किसने किससे कहा? 2
2. इस प्रस्ताव से शाहंशाह का कौन सा मनोभाव प्रकट होता है? 1
3. किसका इंतज़ाम करने का आदेश दिया? 1

"बात इससे उलट है जहाँपनाह, मैं तो हमेशा सीखता हूँ। "

4. यह किसका कथन है? 1
5. हमाशा ही सीखता हूँ। इसका मतलब क्या है? 2
6. सही प्रस्ताव चुनकर लिखें- 2

    हरेक में कुछ न कुछ ज्ञान है।

    ज्ञान बाहरी दिखावा है।

    ज्ञान सबकी भलाई के लिए है।

    अहंकार से ज्ञान सफल होता है।

7. हर राजकुमार अपने को बडा ज्ञानी मानता है। असल में बडा ज्ञानी कौन है? 2
8. गुरुजी हमलोग संकट में पड गए हैं। राजकुमार क्यों संकट में पडे? 2
9. '' मैं इधर हूँ'' किसकी कविता है? 1
10. मेरे प्रिय साथी

    तुम भी बोलो न, ज़ोर से

    मैं इधर हूँ।

    इन पंक्तियों से कवि क्या कहना चाहता है? 2

जी. एच. एस. एस. करिंपा

11. **संशोधन करें** 2

मैं मंत्र पढता हैं।

क्या, तुम इसमें प्राण डाल सकते है?

12. **सही मिलान** 2

जो दूकान चलाता है -

जो खेतों में काम करता है -

किसान

मुनीम

दूकानदार